DEEBALI

WALL MAGAZINE

2024 - 2025 (II)

Editorial

Gyanoday

Welcome to the latest edition of our wall magazine 'Gyanoday' dedicated to the enlightenment of young minds and the blossoming of knowledge. As the name suggests, Gyanoday signifies the dawn of wisdom, a continuous journey towards learning and understanding the world around us.

In this edition, we delve into themes that resonate deeply with our current times - innovation in education the power of tradition, and the importance of holistic development. Through thoughtful articles, creative expressions, and insightful interviews, we aim to inspire our readers to think critically, question the status quo, and embrace the diverse streams of knowledge that contribute to the growth of a well-rounded individual.

Our contributors, a blend of students and faculty, have poured their hearts and minds into crafting pieces that reflect their passions, curiosity and aspirations.

The wall magazine serves as a platform not just for sharing information, but for sparking discussions and encouraging a dialogue within our community. We invite you to not just read, but to engage with the content - leave your comments, share your thoughts.

As we present this edition, we hope that Gyanoday will be a beacon of knowledge, illuminating the path for all who seek to learn and grow.

Thank you for being a part of our journey. We hope Gyanoday bring you insights, inspiration, and a renewed zeal for learning.

Next Issue
Gyandarpan

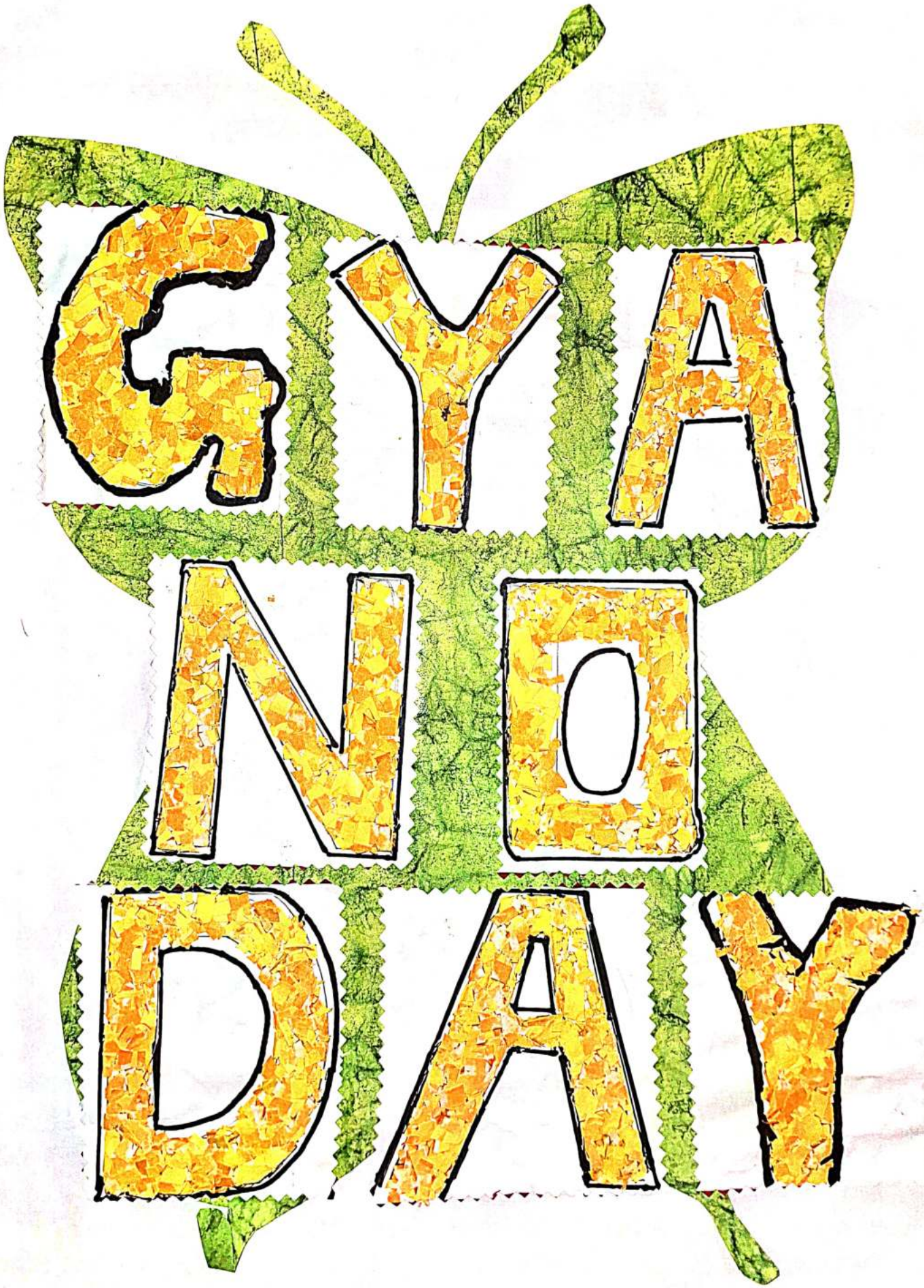
GYA
NO
DAY

EDITORIAL TEAM

Dr. Babita Kumari

Dr. Amit Bhattacharya

Usha Murmu

Bablee Singh

आकिल मारसाल

गितील रे ञुरू आकान चीनी
मुच् दोय राकाप ढाडे. केथा
मैन खान हाथी दो बाङ.........!!
ओना ते हुडिञ माराङ होड़ हुडिञ दो
आलम मोने वाथा
ओका ओका दो हुडिञ मारङ होड़ दो
आडि मारङ कामि होय पुरावा।

~ Sushmita Soren
~ B.Ed IInd sem.
~ Roll no.- 171
~ (2023 - 25)

জ্ঞানোদয়

অন্ধকারে, একটি স্ফুলিঙ্গ উড়ে
যায় জ্ঞানোদয়, নতুন আলোর প্রভাতে
অজ্ঞানতা ম্লান হয়, জ্ঞান উদ্ভাসিত হয়,
জ্ঞান জাগ্রত হয় যুবক এবং বৃদ্ধদের
মন প্রসারিত হয়, হৃদয় প্রশস্ত হয়
উপলব্ধি প্রাপ্ত হয়।
প্রস্ফুটিত হয়, এবং ভয় কমে যায়
প্রতিটি পদক্ষেপের সাথে আমরা জ্ঞানোদয়ের
আলোতে উপরে উঠি,
আমরা আমাদের সত্যিকারের ভালোবাসা খুঁজে পাই
জ্ঞানোদয়ের এই ভোর উজ্জ্বল হয়ে উঠুক দিনরাত্রি
আলোকিত পথের মধ্য দিয়ে, আমাদের সমস্ত
বছর ধরে জ্ঞানোদয়ের দীপ্তি ভয়কে দূর করে
আমাদেরকে সামনের দিকে পরিচালিত করে।

Name- Sneha kumari Dey
class- D.El.Ed 1st year
Roll- 08

ज्ञानोदय

उगता हुआ सूरज, सुनो क्या कहता है
उदय होया अस्त, एक समान रहता है।
सोच नई रखो, उमंग नई रखो
विश्वास के साथ, कदम नया रखो॥
उगता हुआ सूरज, सुनो क्या कहता है।
दूसरों को भी प्रकाशित करो अपने प्रकाश से
भरा हो मन तुम्हारा सदैव आत्मविश्वास से
असंभव को संभव बनाओ, नित प्रयास से
उगता हुआ सूरज, सुनो क्या कहता है।
जीवन का सारा अंधेरा छट जाएगा
नई सुबह के साथ नया कल भी आएगा
उजाला तुम जग में फैलाओ अपने काम से
उगता हुआ सूरज
सुनो यही कहता है।

~ Tiya Shree
~ D.El.Ed - 1st Year
~ 13
~ (2024-26)

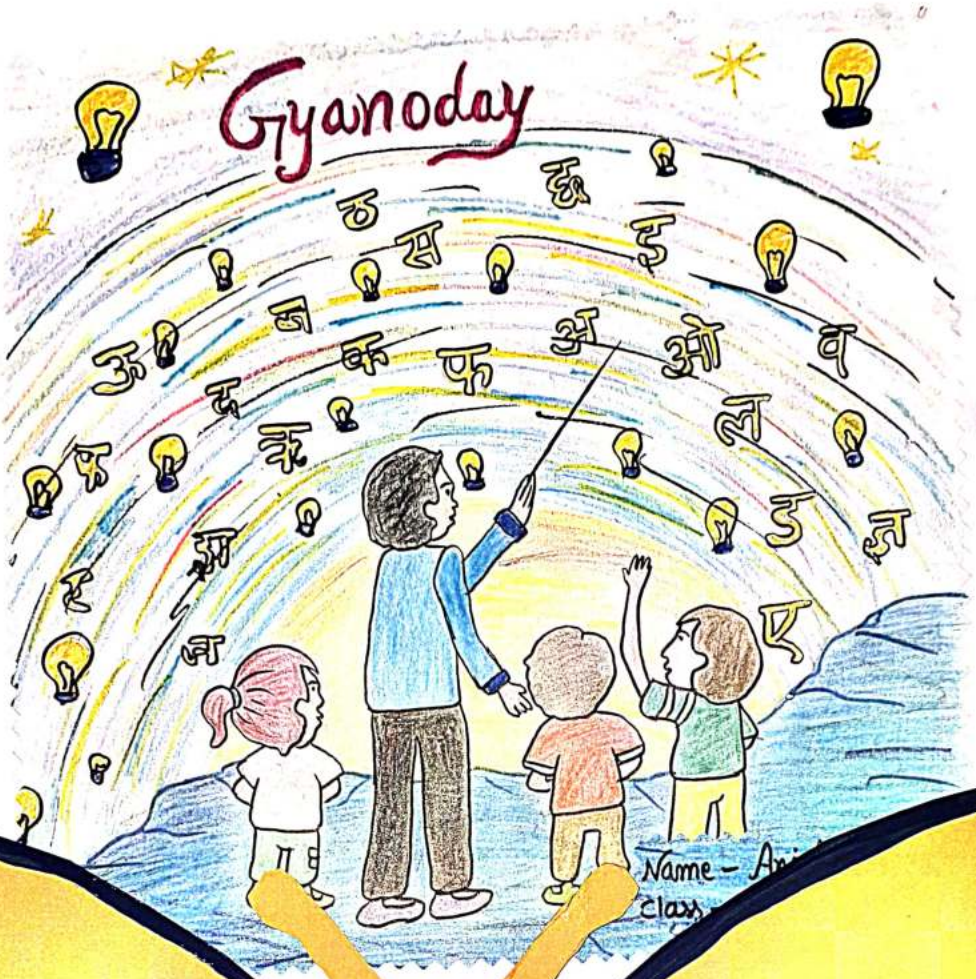

ज्ञानोदय

शिक्षा बहुत जरूरी है अपना लो मजबूरी है
शिक्षा से क्यों दूरी है, शिक्षा से ही मान है
शिक्षा से अभिमान है, अशिक्षित तो उठते नहीं ठोकर खाता है
हर जगह अपमान है, शिक्षा से ही देश महान है
शिक्षा अपनी शान है, सब हो लक्ष्य शिक्षित देश में
देश का तभी कल्याण है, शिक्षा बहुत जरूरी है
शिक्षा से क्यों दूरी है जीना यदि जरूरी है
भोजन यदि जरूरी है, शिक्षा बहुत जरूरी है।।

~ Tiya shree
~ 13
~ D.El.Ed (1st yr)
~ (2024-2026)

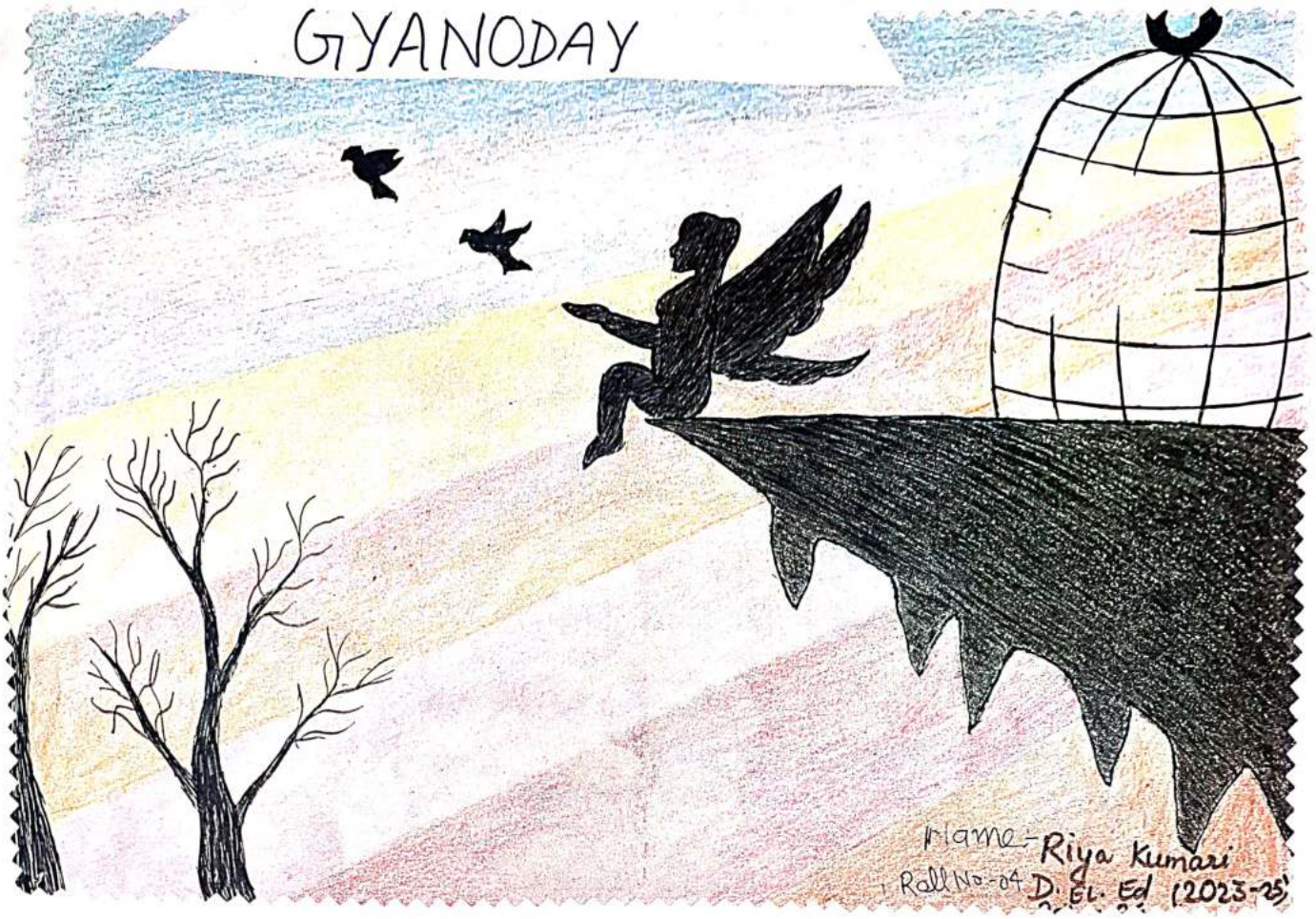

GYANODAY
Name-Riya Kumari
Roll No-04 D. El. Ed (2023-25)

NAME- AISHWARYA RAJ
ROLL.-18. D.El.Ed 1st

ज्ञानोदय

शिक्षा जीवन का आधार हैं, इसके बिना सब बेकार हैं।
शिक्षा जीवन का सार सिखाती, सभी परेशानियों से हमें बचाती

सभी समस्याओं का होगा क्षय, शिक्षा से होगा एक बेहतर कल
हमसब का हैं एक ही नारा, शिक्षा हैं अधिकार हमारा।

शिक्षा है जीवन का आधार, जो करती सबके सपनों को साकार
शुरू करो शिक्षा का अभियान जो लाए जीवन में स्वाभिमान।

शिक्षा हैं हर बच्चे का अधिकार, इससे उन्हें दूर न करो
शिक्षा हैं सबसे अनमोल, इसका नहीं हैं कोई मोल।

~ प्रीतमा कुमारी
~ 36
~ D.El.Ed (1st year)
~ (2024-26)

JNYANODAY

Knowledge is power !!!
Only to uplift righteous morals;
With the muse of the truth.

Power of knowledge!
Power of Wisdom !
Power of Understanding!

Uplifting righteous morals without racism!
Only with the works of the truth;
Without hatred and war.

~ Sakshi Raj
~ D.El.Ed. IInd yr.
~ (2023-25)
~ Roll no. - 05

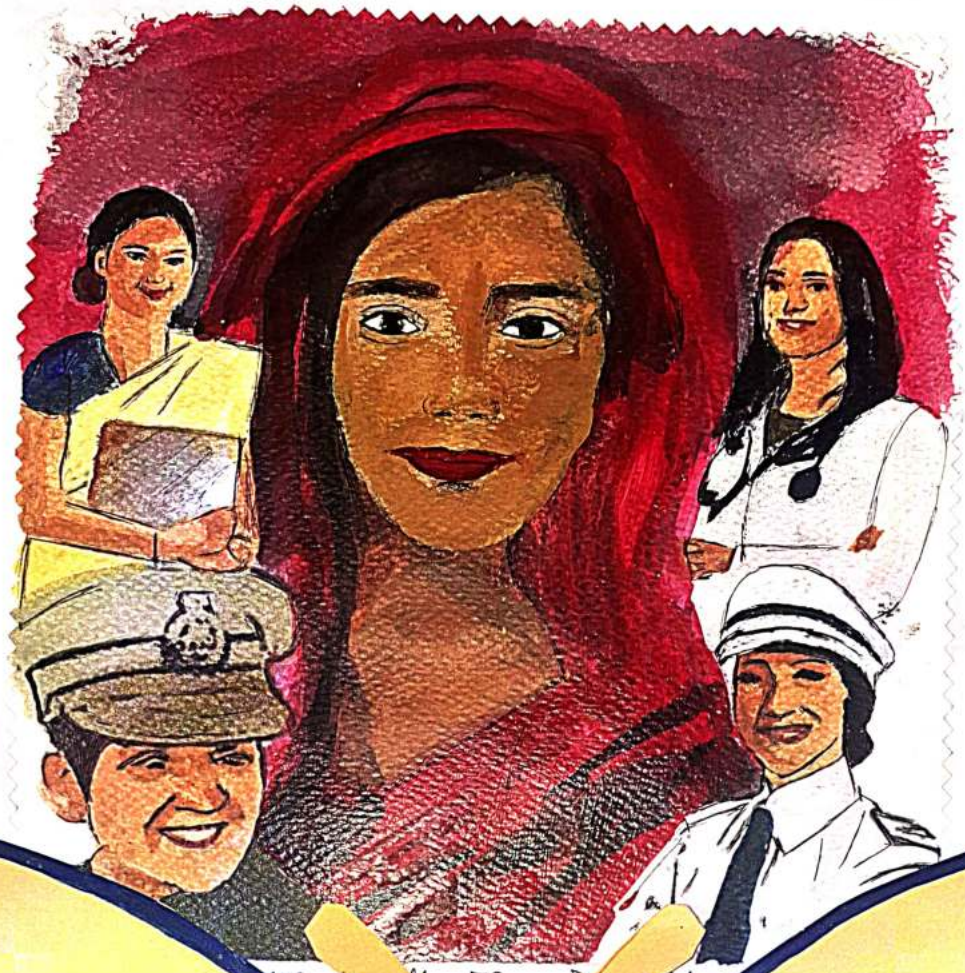

GYANODAY

Gyanoday is a powerful concept that represents the pursuit of knowledge and the relentless quest for wisdom. It symbolizes the journey of an individual for a society towards enlightment, where ignorance is dispelled and understanding is gained. Just as the dawn breaks the darkness of night. Gyanoday illuminates the mind, dispelling misconceptions and revealing new perspectives. It is the spark that ignites the flame of curiosity, driving us to explore, learn and grow.

In today's world Gyanoday is more than ever. As we face complex challenges and uncertainities, the pursuit of knowledge and wisdom becomes our guiding light. It empowers us to make informed decisions, think critically, and innovate solutions.

Gyanoday is not just an individual endeavor but a collective aspiration. When communities and societies embrace the pursuit of knowledge, they unlock the potential for progress, justice, and harmony.

In Conclusion, Gyanoday is a beacon of hope, inspiring us to strive for intellectual and spiritual growth. May we continue to seek knowledge, embrace wisdom, and illuminate the world around us.

~ Mamta Kumari
~ D.El.Ed. Ist yr.
~ (2024-26)
~ Roll no.- 37

ज्ञानोदय

अब जागो जीवन के प्रभात, वसुधा पर ओस बने बिखरे
हिमकन आँसू जो क्षोभ भरे, उषा बटोरती अरुण गात!
अब जागो जीवन के प्रभात!

तम-नयनों की ताराएँ सब, मुँद रही किरण दल में हैं अब
चल रहा सुखद यह मलय-वात!, अब जागो जीवन के प्रभात
रजनी की लाज समेटो तो, कलरव से उठकर भेंटो तो,
अरुणांचल में चल रही वात, अब जागो जीवन के प्रभात!

~ Savitri hembrom
~ B.Ed (Sem-II)
~ 43
~ (2023-25)

ज्ञानोदय

ज्ञानोदय शब्द बहुत ही अनोखा शब्द है। ज्ञानोदय शब्द दो शब्दों के मेल से बना है। ज्ञान और उदय।
ज्ञान का अर्थ है - जानना
उदय का अर्थ है - विकास करना
अर्थात्, 'ज्ञान का विकास' करना ही ज्ञानोदय है।
'ज्ञान' बहुत ही अनमोल और छोटा शब्द है। लेकिन ज्ञान का विकास करने के लिए एक व्यक्ति को हमेशा प्रयत्न करना पड़ता है। जो व्यक्ति किसी चीज को जानने के लिए अधिक जिज्ञासु होता है, वह व्यक्ति हमेशा आगे बढ़ता है और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित रहता है जिससे अंत में उसे सफलता की प्राप्ति होती है।
इसमें एक कहावत है -

"करत-करत अभ्यास के
जड़मति होत सुजान
रसरी जात ते
सिल पर परत निशान।"

~ Ruby Kumari
~ B.Ed, Sem-1
~ 78 'B'
~ (2023-25)

ज्ञानोदय

सर्व शक्तिमान हमें शक्ति दीजिए।
जिंदगी में, अंधकार को भगा सकें।
ज्ञान-दीप अपने हृदय में जला सकें।
हौंसले कामयाब ऐसी शक्ति कीजिए॥
सर्व शक्तिमान हमें शक्ति दीजिए।
स्वार्थ साधनों में कहीं मन नहीं रमे।
प्रगति पथ पर कभी पग नहीं थमे।
बुराइयों की वास्ता से मुक्ति दीजिए॥
सर्व शक्तिमान हमें शक्ति दीजिए।

ज्ञानोदय

~ Ankita Kumari
~ 02
~ D.El.Ed 1st yr
(2023-25)

हाथ पर आसमान
लोग ऊँची उड़ान रखते हैं।
हाथ पर आसमान रखते हैं।
शहर वालों की सादगी देखो -
अपने दिल में मचान रखते हैं
ऐसे बासूस हो गए मौसम -
सबकी बातों पे कान रखते हैं
हम मलीने हैं मौम के लेकिन
आग के बादबान रखते हैं।

~ रिंकू कुमारी
~ 10
~ D.El.Ed (2ndyr)
~ (2023-25)

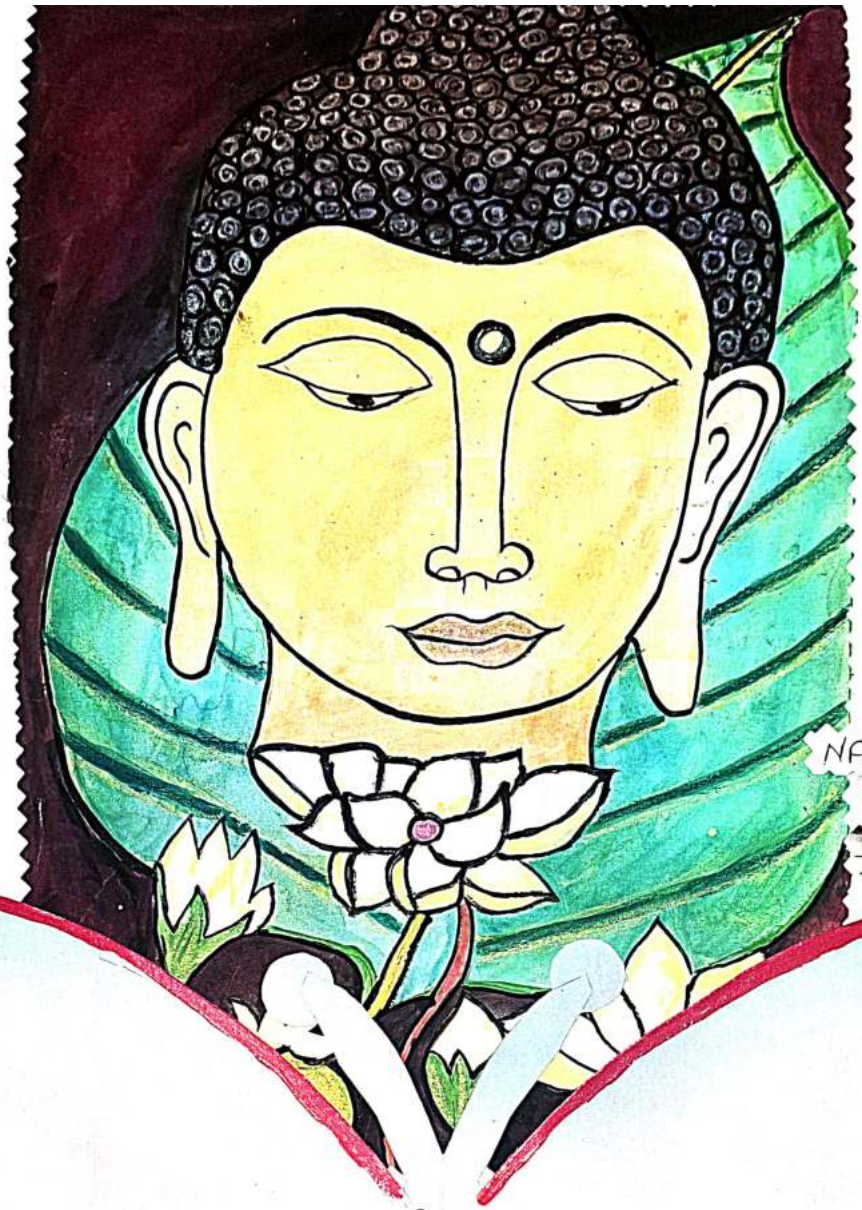

NAME- AISHWARYA RAJ
ROLL- 18 D.El.Ed
1st year 24-26

ज्ञानोदय

शिक्षा में ही प्रगति है, हमारे देश की यह शक्ति है।
शिक्षा से ऊपर न कोई स्थान, कभी न करना इसका अपमान।

शिक्षा बनेगी हमारी पहचान, शिक्षा है बहुत महत्वपूर्ण
इससे बनता हमारा व्यक्तित्व, शिक्षा को अपना लक्ष्य बनाओ।

शिक्षा है बहुत जरूरी, ना रखना कभी इससे दूरी।
शिक्षा से हमें मिलता है ज्ञान, इससे देश बनेगा महान॥

~ Monika Kumari
~ B.Ed (Sem-II)
~ 21
~ (2023-25)

GYANODAY

In the realm of mind and soul, a dawn breaks,
and knowledge unfolds.
Gyanoday, a radiant light, illuminates the path to insight bright.
With each new step, the darkness fades and understanding's lamp
is lifted high, the world's mysteries begin to unfold as
wisdom's petals start to bloom and mold.

In this awakening, minds expand, and horizons broaden.
hand in hand. The light of Gyanoday shines so bold.
Guiding us forward young and old. May this dawn of
knowledge forever shine.
Inspiring minds and hearts to entwine. In the embrace
of wisdom's loving grace.
Where ignorance fades, and knowledge takes its place.

~ Anisha Chatterjee
~ D.El.Ed. Ist yr.
~ (2024-26)
~ Roll no. - 10

GYANODAY

Awaken to a brighter tomorrow.....

Gyanoday, or the dawn of knowledge is a journey of self discovery and growth. It's about embracing new ideas, perspectives and experiences that help us evolve and improve our lives.

"Knowledge is power, but only if you know how to use it."

~ Khushi Kumari
~ D.El.Ed. IInd yr.
~ (2023-25)
~ Roll no. - 18

मानोदय

अभी अभी थी धूप बरसने
लगा कहाँ ये पानी
किसने फोड़ घड़े बादल के
की है इतनी शैतानी
सूरज ने क्यों बंद कर लिया
अपने घर का दरवाजा
उसकी माँ ने भी कहा उसकी
बुला लिया कहकर आजा
जोर-जोर से गरज रहे हैं
बादल हैं किसके काका
किसको डाँट रहे हैं, किसने
कहना नहीं सुना माँ का।

~ Nishu Kumari
~ D.El.Ed, 1st Year
~ 07
~ (2024-26)

ज्ञानोदय

ना सरकार मेरा है, ना रौब मेरा है, ना बड़ा नाम मेरा है
मुझे तो एक छोटी सी बात का
गौरव है।

मैं हिन्दुस्तान का हूं।
और हिन्दुस्तान मेरा है।

अपनी आजादी को हम हरगिज मिटा नहीं सकते।
सर कट सकता है। लेकिन सर झुक नहीं सकता।

~ Varsha Kumari
~ 24
~ D.El.Ed (1st yr)
~ (2024-2026)

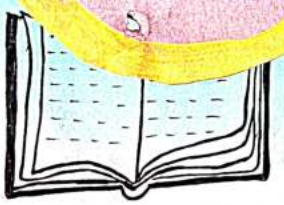

جو محنت سے پڑھتا ہے
اسکا قدر بھی خوب بڑھتا ہے
گیان ہو جو صورت گڑھی جاتی ہے
وہ پوری دنیا میں پوجی جاتی ہے
دسکچھ کو شکچھت دو اگیانی کو گیان
شکچھ سے ہی بن سکتا ہے بھارت دیش مہان

Name:- Sadaf Parween
Class: - B.Ed. Sem II
Sec : - 'A'
Rollno:- 12
Session:- 2023-2025

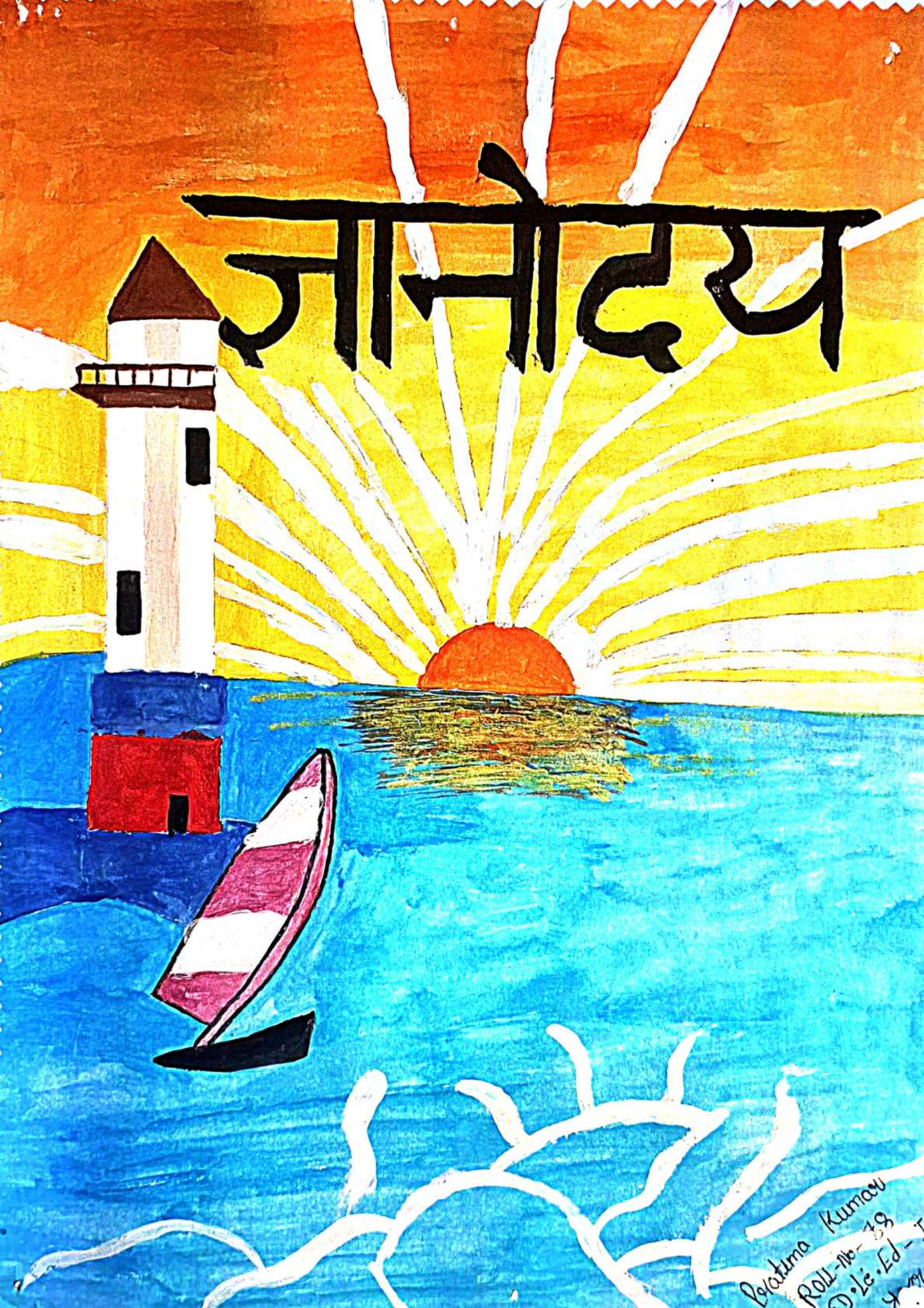
जागोदय

GYANODAY

Where I was supposed to stay silent, I spoke.
Where I was supposed to speak, I remained silent.
Where all birds were abandoning the burning tree,
I stayed in there on a branch.
When everyone was going to the market, opening their shops,
in the same old pot I was cooking banana squash.
When everyone had gone on a date and toward their
very destinations, I was drowned in luxury,
sitting against a well from noon till nightfall.
When everyone was sleeping, dreaming after a long day,
I was wide awake at night, sitting in the dark.
O! My Khwaza!
Please bring me a slumber, that cannot be disturbed
by no nois
I want to s my entire life, lis g to Lullabies.

~ Komal Rani
~ D.El.Ed. Ist yr.
~ (2024-26)
~ Roll no.- 12

ज्ञानोदय

जीवन में जो राह दिखाए, सही तरह चलना सिखाए।
माता-पिता से पहले आता, जीवन में सदा आदर पाता।

सबको मान प्रतिष्ठा जिससे, सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे।
कभी रहा न दूर मैं जिससे, वह मेरा पथदर्शक है जो।
मेरे मन को भाता, वह मेरा शिक्षक कहलाता।

कभी है शांत, कभी है धीर, स्वभाव में गंभीर,
मन में वही रहे इच्छा काश मैं उस जैसा बन पाता,
जो मेरा शिक्षक कहलाता।

~ Sunita Kisku
~ 128
~ B.Ed (Sec-C)
~ (2023-25)

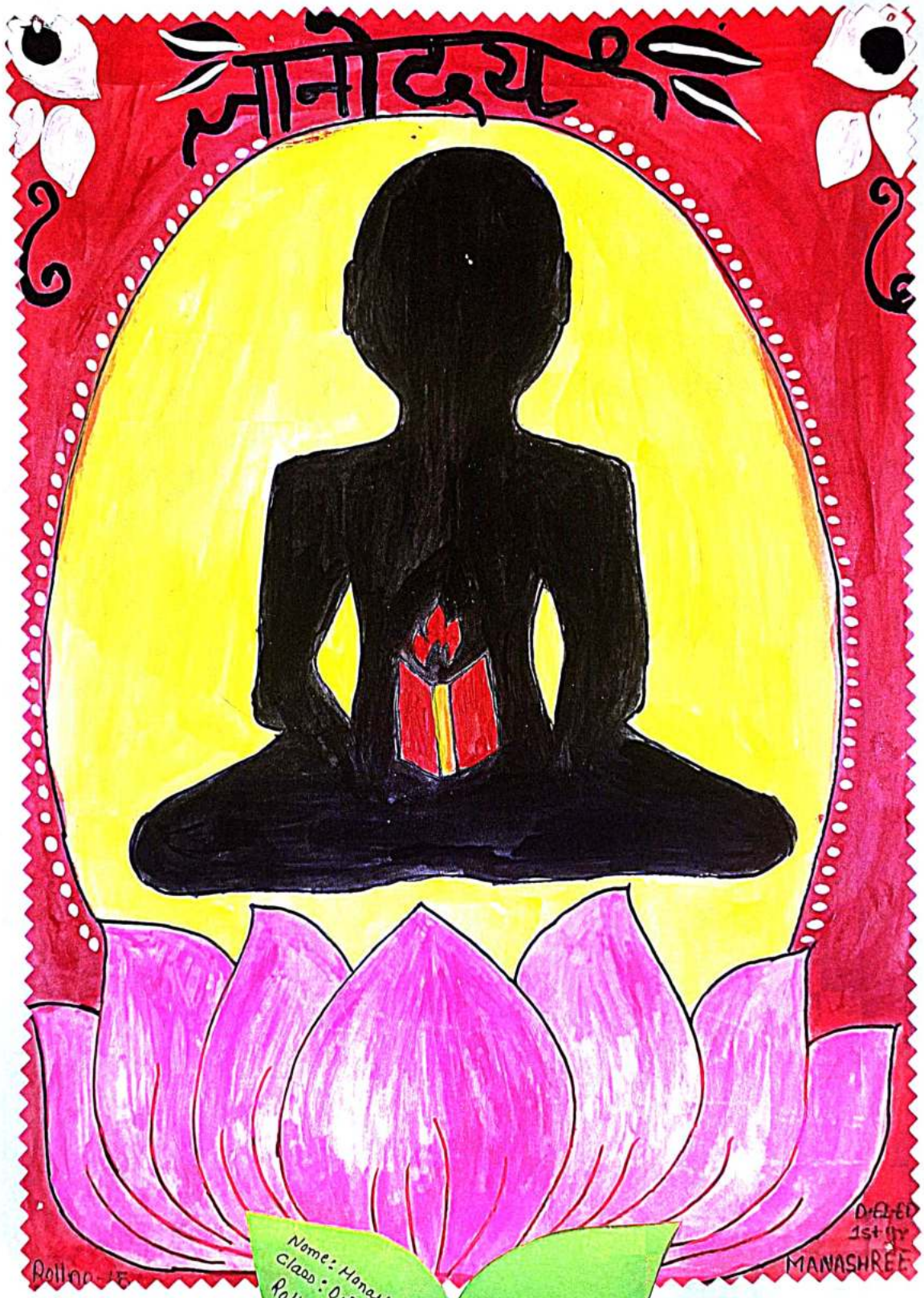

Name: Manashree Layek
Class: D.El.Ed (2024-26)
Roll no: 15

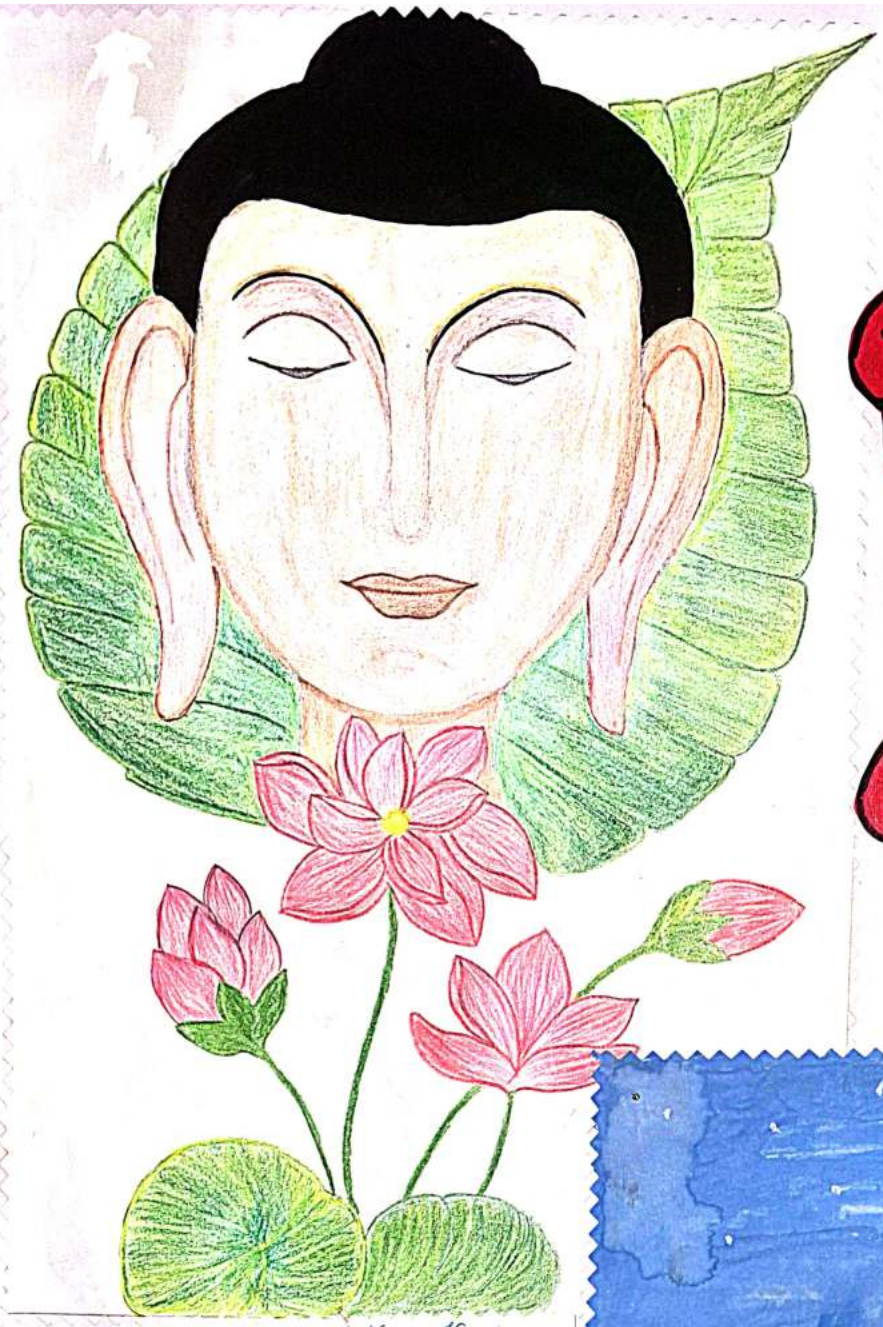

Name - Kanak Nandini
Roll no. - 17
Class - D.El.Ed 1st year

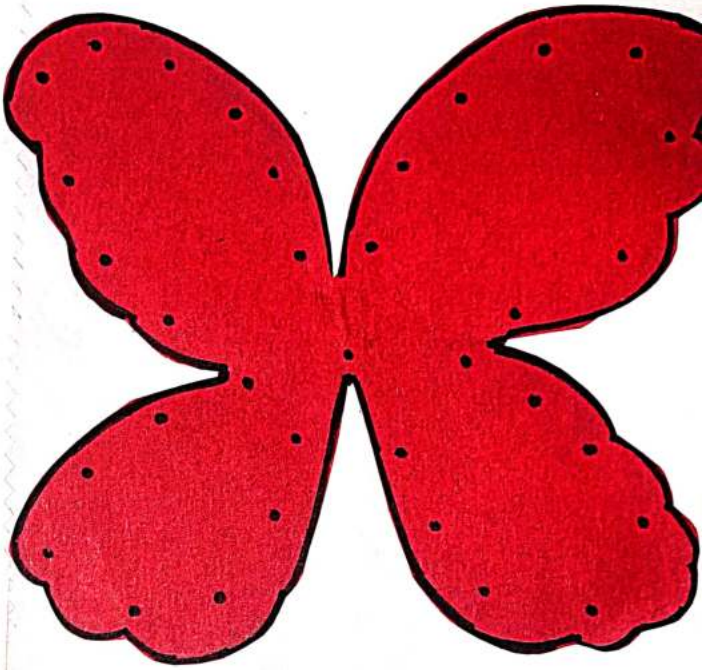

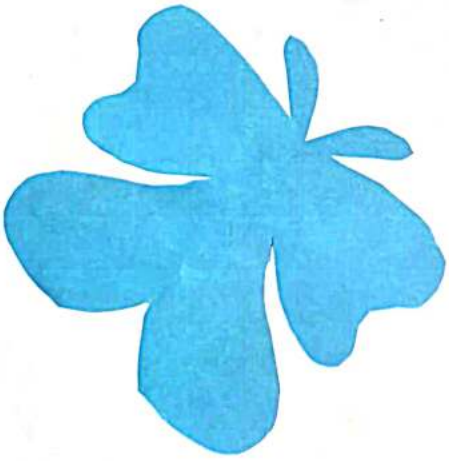

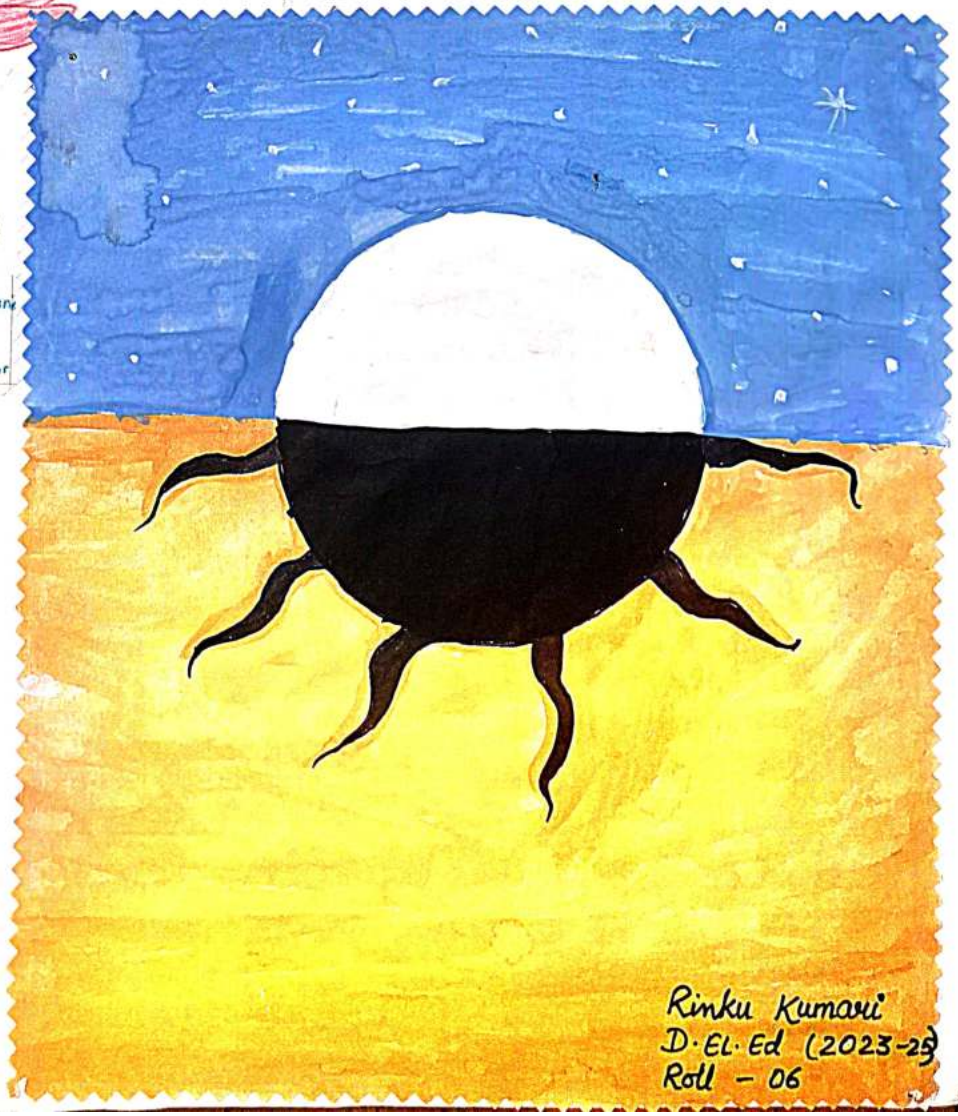

Rinku Kumari
D.El.Ed (2023-25)
Roll - 06

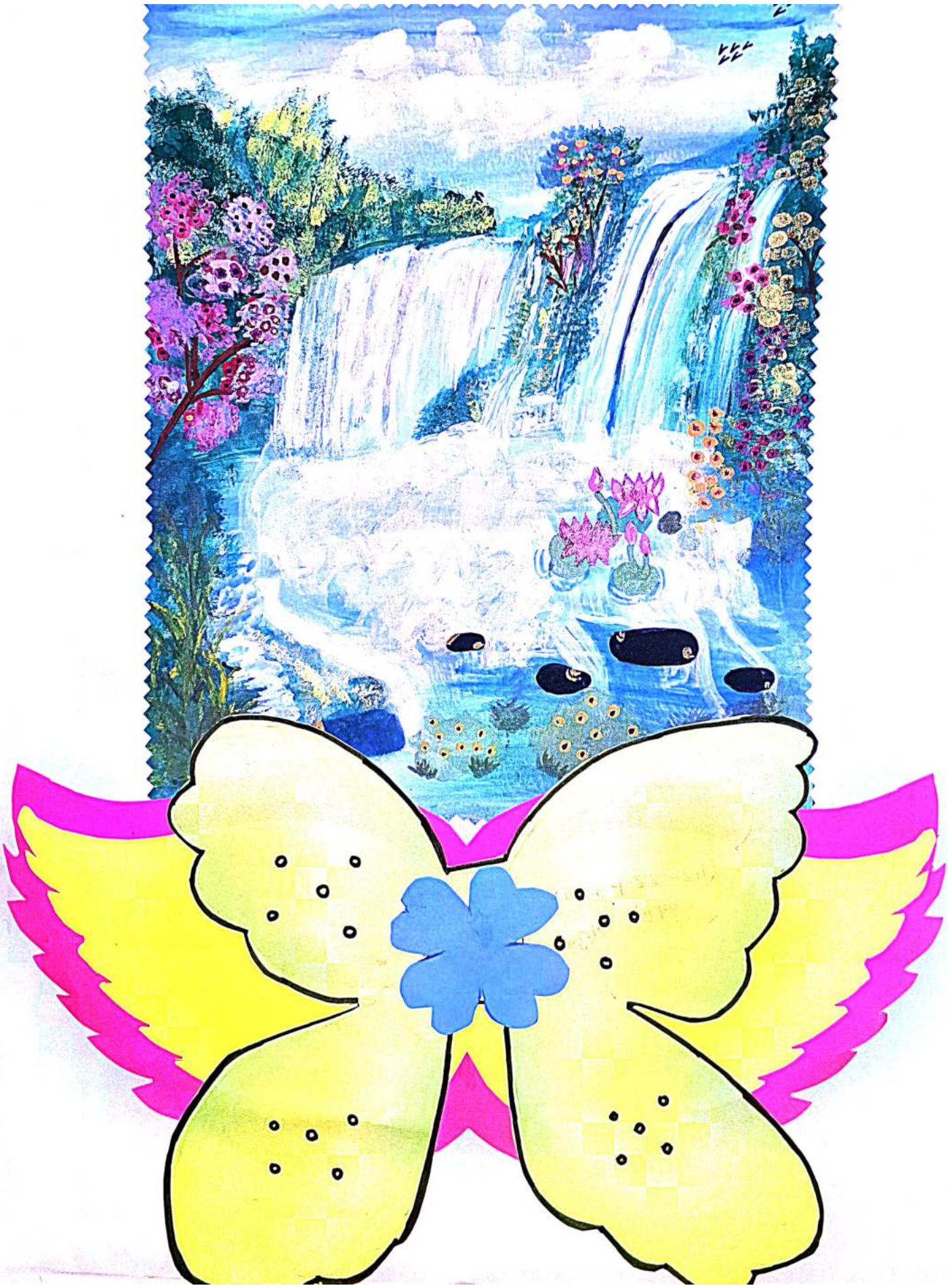

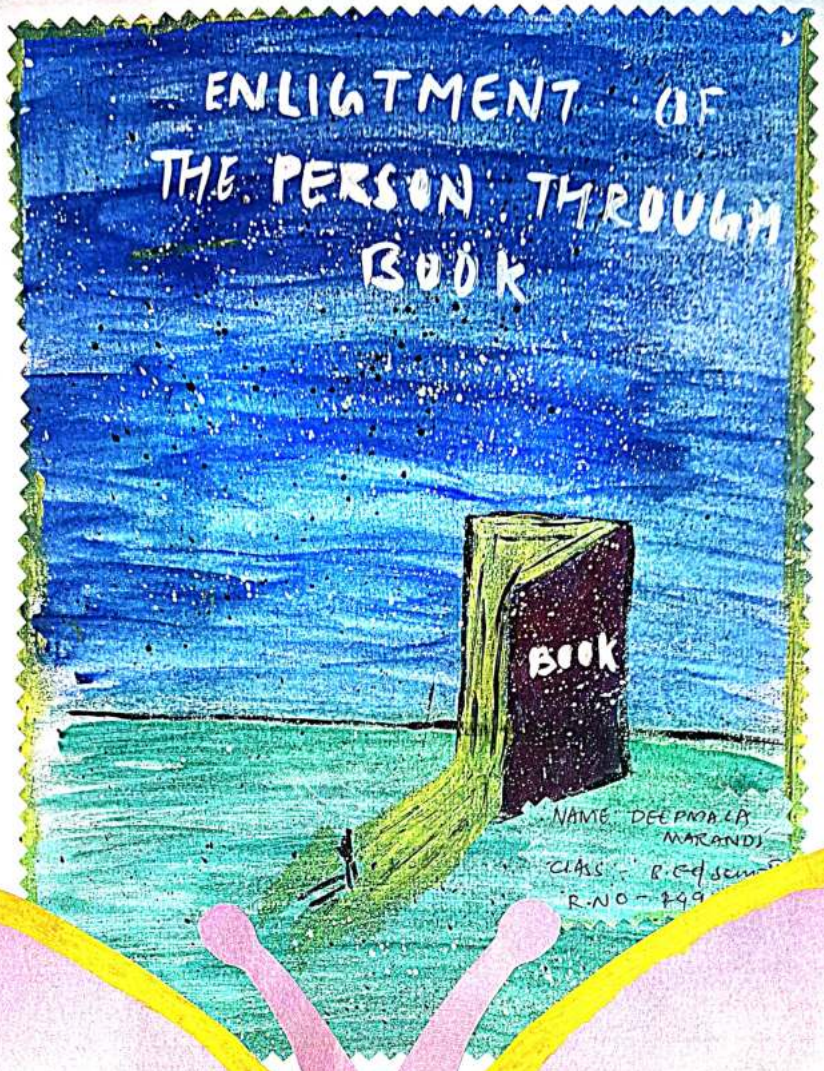

आभोदय

जब पहला पग पड़ा विद्यालय में, तब मैं कोरा पन्ना था
मुझे भी शिक्षा ग्रहण कर के, एक अच्छा इन्सान बनना था,
हां, साथ दिया मेरे शिक्षकों ने और सिखाई हर नई बात मुझे
अपनी लिखी कुछ पंक्तियों में मैं नमन करूंगा आज उन्हें!!
कि तेरे उपकारों को ऐ अध्यापक, हम जन्मों तक न भूलेंगे
याद आयेगी बहुत तुम्हारी, जब कामयाबी का झूला झूलेंगे
दृढ संकल्प लेना सिखाते हैं, हमें संस्कारों का महत्व सिखाते हैं
भटके हुए हर राही को, सफलता का मार्ग दिखाते हो
नजर सब पर एक समान हो, ना कभी शिष्यों में भेदभाव करें
किसी नादान से गलती हो जाए, तो सीख देकर माफ करते हो
हम में छुपे रंगों को तराशकर, हम पर हुनर का रंग चढाते हो
हर शिक्षा खुद में एक संस्था है, जो देश को आगे बढाते हैं।

~ Kajal Singh
~ D.El.Ed, 1st Year
~ 44
~ (2024-26)

Acknowledgement

Manju Soren (Magazine Secretary)
Anjali Kumari (Asst. Magazine Secretary)
Shreya Chakravorty (Class councillor D. EL. Ed.)
Sakshi Raj (Asst. class councillor D. EL. Ed.)
Khushi Kumari
Aishwarya Raj
Manashree Layek
Kanak Nandani
Sneha Kumari Dey
Komal Rani
Anisha Chatterjee
Nandani Kumari
Sinki Kumari
Rakhi Kumari
Ritu Kumari

Date - 24/09/2024

Thank You